विधानसभा में बुधवार को अन्तराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस के अवसर पर सदस्यों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्लास्टिक बैग के इस्तेमाल को हतोत्साहित करने तथा आमजन को भी इस हेतु जागरूक करने का संकल्प लिया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सदस्यों को यह संकल्प दिलाया और अपील की कि सभी संवेदनशील होकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करें। प्लास्टिक बैग के स्थान पर पर्यावरण अनुकूल विकल्पों जैसे कपड़े के बने थैले अथवा बायोडीग्रेडेबल बैग का इस्तेमाल करें। उन्होनें सभी सदस्यों से प्लास्टिक बैग्स का न्यूनतम प्रयोग, इसके उचित निस्तारण के लिए संवेदनशील होने तथा अपने आस-पास के लोगों को भी प्लास्टिक बैग के कम से कम उपयोग और पर्यावरण पर प्लास्टिक के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने का आव्हान किया।

जयपुर में मानसून की पहली ही बारिश में जनजीवन अस्त-व्यस्त

बुधवार शाम 5 बजे तेज मूसलाधार बारिश शुरु हुई जो दो घंटे तक चली

- भारी बारिश के कारण जयपुर की मुख्य सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर गया।
- देर रात तक सड़कों पर जलभराव के कारण लोग फंसे रहे, गाडियाँ भी डूबी।
- जयपुर-सीकर रोड़, चौमूं पुलिया, नारायण सिंह सर्किल, त्रिमूर्ति सर्किल व पानीपेच से एम.आई. रोड़ तक भारी ट्रैफिक जाम में देर रात लोग परेशान देखे गए।
- मौसम विभाग ने जयपुर एयरपोर्ट पर 10.7 मि.मी. बारिश आंकी, कंट्रोल रूम कलैक्ट्रेट ने गुरुवार सुबह बारिश का आंकड़ा देने की बात कही।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 3 जुलाई। राजस्थान में मानसून के प्रवेश के बाद बुधवार शाम को जयपुर में करीब 2 घंटे तक मूसलाधार बारिश हुई। तेज बारिश के कारण देखते ही देखते सड़कों पर भारी जलभराव हो गया। इससे पैदल राहगीरों के साथ-साथ दुपहिया व चौपहिया वाहनों का निकलना मुश्किल हो गया।

मौसम विभाग के कलैक्ट्रेट स्थित कंट्रोल रुम के अधिकारियों का कहना है कि शाम 5 बजे के बाद अगली सुबह बारिश मापी जाती है, इस कारण कितनी बारिश हुई, इसका आंकड़ा फिलहाल सामने नहीं आया है। हालांकि मौसम विभाग ने रात साढ़े 8 बजे तक जयपुर एयरपोर्ट पर 10.7 मि.मी. बारिश दर्ज की है।

बारिश के कारण सबसे ज्यादा खस्ता हालात जयपुर-सीकर हाईवे स्थित ढेहर के बालाजी क्षेत्र में रहे। यहां बी.आर.टी.एस. कॉरिडोर समेत दोनों तरफ की सड़क जलमग्न हो गयी। देखते ही देखते लोग अपनी कार-बाइक छोड़कर बस स्टॉप और सड़क के दोनों तरफ बनी दुकानों पर चढ़कर खुद को बचाते दिखे। तेज बारिश के कारण जलभराव में सीकर रोड पर कई वाहन डूब गए। ऐसे ही हालात निवारू रोड, मुरलीपुरा, कालवाड़ रोड, खिरणी फाटक, 200 फीट अजमेर चौराहा, टोंक रोड, पानीपेच, व चौमूं पुलिया के आसपास भी रहे। राजापार्क, चांदपोल और एम.आई.रोड पर भी जलभराव के कारण आवागमन अवरुद्ध हो गया। शहर के तमाम प्रमुख मार्गों पर देर रात तक टैफिक जाम रहा।

दरअसल बुधवार सुबह से ही जयपुर शहर में तेज उमस व गर्मी का आलम था। अलसुबह से शहर के आसमां पर काले बादलों ने डेरा डाल रखा था। शाम करीब 5 बजे अचानक मौसम में बदलाव आया और हल्की बारिश शुरू हुई। देखते ही देखते बारिश की बौछारें तेज हुई और शहर में राहत के साथ-साथ आफत भी आ पहुंची। तेज बारिश ने जयपुर शहर के ड्रेनेज और सफाई के दावों की हकीकत सामने लाकर रख दी।

निवारू रोड पर टूटी सड़क पर जैसे ही जलभराव हुआ तो कई दुपहिया और चौपहिया वाहन गड्ढ़ों में फंस गए, जिन्हें बाहर निकालने के लिए क्रेन तक बुलानी पड़ गई। जयपुर रेलवे स्टेशन पर पटरियां भी जलमग्न हो गई।

मालवीय नगर अंडरपास में 2-3 फीट तक पानी भर गया। इसी दौरान यहां गुजर रहा एक सवारी टैम्पो पानी में फंस गया, सवारियों ने ऑटो की छत पर चढ़कर खुद की जान बचाई। मालवीय नगर में ही वर्ल्ड ट्रेड पार्क के पास बारिश के कारण सड़क धंस गई। यहां लगा बिजली का खंभा भी सड़क की दिशा में झुक गया।

राज्य विधानसभा का दूसरा सत्र शुरु

- पहले दिन पूर्व राज्यपाल स्व. कमला बेनीवाल तथा अन्य दिवंगत हस्तियों और हाथरस के हादसे में मारे गए लोगों को श्रृद्धांजलि दी गई।

जयपुर, 3 जुलाई (वि.सं.)। राजस्थान विधानसभा के द्वितीय सत्र के पहले दिन बुधवार को विधानसभा में गुजरात, त्रिपुरा एवं मिज़ोरम की पूर्व राज्यपाल स्व. कमला बेनीवाल, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मनोहर जोशी, विधानसभा के पूर्व सरकारी मुख्य सचेतक स्व. महावीर प्रसाद जैन सहित सदन के दिवंगत हुए पूर्व सदस्यों, विशिष्टजनों को श्रद्धांजलि दी गई।

हाथरस हादसे में मृत लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

सदन में इस दौरान सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को शांति और उनके परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

बी.आर.एस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्यापक अनुभव है और उन्हें विश्वास है कि उनके कांग्रेस में आने से पार्टी को उनके अनुभव का फायदा होगा। राव तेलंगाना के वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं। वह तीसरी बार वर्ष 2020 में बी.आर.एस. के राज्यसभा सदस्य बने थे।

सब इंस्पैक्टर भर्ती परीक्षा फर्जीवाड़ा, तीनों गिरफ्तार आरोपी 4 दिन की रिमांड पर

सब इंस्पैक्टर भर्ती परीक्षा फर्जीवाड़े की जांच कर रहे स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया

- महिला टीचर शम्मी बरसाना और ओमप्रकाश ढाका व सुनील बेनीवाल हैदराबाद में फरारी काट रहे थे।
- पुलिस टीम ने कई दिनों तक रेकी करने के बाद गैस की सप्लाई देने के बहाने फ्लैट में घुस कर ढाका और बेनीवाल को दबोचा।
- शम्मी दो माह से बरसाना में थी, वह यहां गायों की शोभायात्रा में पहली बार दिखी, जिसके बाद कई मंदिरों में उसे देखा गया।

जयपुर, 3 जुलाई। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 समेत छह से ज्यादा प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक मामले में तीन आरोपियों ओमप्रकाश ढाका, सुनील बेनीवाल और शम्मी बिश्नोई जोधपुर पुलिस की साइक्लोन टीम मदद से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ढाका और बेनवाल हैदराबाद में फ्लैट में रह कर फरारी काट रहे थे। वहीं शम्मी बिश्नोई वृंदावन स्थित बरसाना में रह रही थी।

एसओजी ने बुधवार को तीनों आरोपियों कोर्ट में पेश किया, जहां पर उन्हें सात जुलाई तक 4 दिन के रिमांड पर भेज दिया गया। मंगलवार को जोधपुर की साइक्लोन टीम ढाका और बेनीवाल को हैदाराबाद से पकड़ जयपुर लाई थी। वहीं सरकारी टीचर शम्मी को जोधपुर से डिटेन कर लिया था। तीनों को मंगलवार रात में एसओजी को सौंप दिया था। डीजीपी यूआर साहू ने जोधपुर की साइक्लोन टीम को बधाई दी है।

जयपुर एसओजी मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में जोधपुर आईजी विकास कुमार ने बताया कि टीम पिछले दो माह से वांटेड बदमाशों के पीछे थी। ढाका और बेनीवाल को पकड़ने के लिए ऑपरेशन डीप ब्लू चलाया गया। इकसे तहत पुलिस टीम ने कई दिनों तक इन की रेकी की। फिर गैस की सप्लाई देने के बहाने प्लैट में घुसे और दोनों को पकड़ा। वहीं शम्मी को पकड़ने के लिए ऑपरेशन राजवृक्ष चलाया गया। शम्मी दो माह से बरसाना में थी। वह बरसाना में गायों की गोरक्षा शोभायात्रा में पहली बार मिली, जिसके बाद कई मंदिरों में उसे देखा गया। इसी दौरान टीम ने भक्त का भेष बदलकर उसे पकड़ा। ओमप्रकाश ढाका पर 75 हजार रुपए, शम्मी बिश्नोई पर 70 हजार रुपए और सुनील बेनीवाल पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

तीनों पेपर लीक के मास्टरमाइंड हैं। इनकी तलाश राजस्थान पुलिस को काफी समय से थी। ओपी ढाका मुख्य आरोपी है। वह पेपर लीक माफिया जगदीश विश्नोई की गैंग को चलाने वाला हैंडलर है। वहीं शम्मी विश्नोई ने कई परीक्षाओं में डमी कैंडिडेट बैठाने का काम किया है। खुद भी कई परीक्षाओं में डमी कैंडिडेट बनकर बैठी है। वो खुद बालोतरा थाने की वांटेड भी है। सुनील भी डमी कैंडिडेट बनकर परीक्षाओं में बैठा है। ये डमी कैंडिडेट भी उपलब्ध करवाता था।

एडीजी वीके सिंह ने बताया कि एसओजी ने 38 एफआईआर दर्ज की है। इनमें 28 मामले डमी कैंडिडेट और बाकी फर्जी डिग्री और पेपरलीक के हैं। ये गिरोह इतना बड़ा है कि जो कैंडिडेट परीक्षा में सिलेक्ट हो जाता था, उनको फर्जी डिग्री तक दिला देते थे। पीटीआई भर्ती-2022 परीक्षा में भी 88 कैंडिडेट ऐसे थे, जिन्हें फर्जी डिग्री दिलवाई।

उन्होंने बताया कि इस साल राजस्थान में 100 एग्जाम बिना किसी गड़बड़ी के हुए हैं। पिछले 6 महीने में परीक्षा गड़बड़ी में अंकुश लगा है। उन्होंने बताया कि ओपी ढाका व जगदीश विश्नोई पेपर आउट करने में मुख्य आरोपी है।

ओमप्रकाश ढाका की मां सांचौर इलाके में प्रधान है। वह पिछले काफी दिनों से सरेंडर करना चाहता था। उसने अलग-अलग चैनलों के माध्यम से शर्तों के साथ सरेंडर की बात कही थी, लेकिन हमने मना कर दिया कि किसी तरह की रियायत नहीं देंगे। सुरेश ढाका ने भी शर्तों पर सरेंडर करने के लिए संपर्क किया। वह इंडिया से बाहर नहीं है और जल्द ही पकड़ में आ जाएगा।

फास्टैग में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपनी कार का फास्टैग निजी बैंक के जरिए लिया था और उसके फास्टैग अकाउंट में 664 रुपए बैलेंस थे। सीकर हाइवे पर अखैपुरा टोल पर एक तरफ की यात्रा करने पर 60 रुपए टोल वसूली की जाती है और 24 घंटे में ही वापस आने पर 30 रुपए यानि कुल 90 रुपए वसूले जाते हैं। परिवाद में कहा गया कि वह 24 नवंबर 2020 की दोपहर 12.50 बजे टोल बूथ पर गया तो उसका फास्टैग रीड नहीं हुआ। इस पर टोल कर्मचारियों ने उसे कहा कि उसका फास्टैग ब्लैक लिस्ट किया हुआ है और उसे दुगनी राशि देनी होगी। जिस पर उसे मजबूरी में 120 रुपए देने पडे। वहीं वापसी में शाम 4.40 बजे जब पहुंचा तो टोल कर्मचारियों ने उससे 60 रुपए और वसूल लिए। उसने फास्टैग शिकायत नंबर पर शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसे परिवादी ने उपभोक्ता आयोग में चुनौती देते हुए हर्जा-खर्चा दिलवाने का आग्रह किया। जिस पर सुनवाई करते हुए आयोग ने टोल प्लाजा पर हर्जाना लगाते हुए अधिक वसूली राशि लौटाने को कहा है।

लालकृष्ण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विशेषज्ञों ने जांच की थी। हालांकि अगले दिन 27 जून को उन्हें एम्स से डिस्चार्ज कर दिया गया था। एम्स अस्पताल के अधिकारियों ने बताया, आडवानी को वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लालकृष्ण आडवाणी की उम्र 96 वर्ष है।

इसी वर्ष मार्च महीने में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' प्रदान किया था। कराची में 1927 में जन्मे आडवाणी का परिवार विभाजन के बाद 1947 में भारत आ गया था। आडवानी (96) जून 2002 से मई 2004 तक उप-प्रधानमंत्री और अक्टूबर 1999 से मई 2004 तक केंद्रीय गृहमंत्री रहे। वह कई बार 1986 से 1990, 1993 से 1998 और 2004 से 2005 तक भाजपा अध्यक्ष रहे।

जोधपुर में ट्रिपल मर्डर से सनसनी फैली

बुजुर्ग महिला को कुल्हाड़ी से काट कर और 2 बच्चियों की टांके में डुबोकर हत्या की गई

- एक महिला गंभीर रूप से घायल है, जिसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।
- घटना नांदेडी खुर्द की है जहाँ किसी अज्ञात हत्यारे ने बुजुर्ग भंवरी देवी और दो बच्चियों भावना (5 वर्ष), लक्षिता (साढ़े तीन साल) की हत्या कर दी। भंवरी देवी की बेटी और दोनों बच्चियों की माँ संतोष देवी (27 साल) कुल्हाड़ी के वार से गंभीर रूप से घायल है।
- पुलिस को संदेह है कि घटना में किसी परिजन का हाथ है क्योंकि लूटपाट का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

जोधपुर, 3 जुलाई (कासं)। जोधपुर में ट्रिपल मर्डर का मामला सामने आया है। एक बुजुर्ग महिला की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या की गई है, जबकि 2 मासूम बच्चियों के शव घर के टांके में मिले हैं। एक महिला घायल है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बनाड़ थाना क्षेत्र के नांदड़ी खुर्द गांव की है।

पुलिस ने बताया कि आज 5 बजे के करीब नांदड़ी खुर्द में डबल मर्डर की सूचना मिली थी। सूचना पर थाना प्रभारी और पुलिस के उच्च अधिकारी घटना स्थल पहुंचे तो पता चला कि यहां तीन शव हैं। भंवरी देवी (68) और दो बच्चियों भावना (5) और लक्षिता (3.5) के शव मिले हैं, जबकि संतोष (27) घायल है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने बताया कि बुजुर्ग और घायल महिला पर कुल्हाड़ी से वार किया गया है, जबकि बच्चों की हत्या को पानी में डुबो कर की गई है। आशंका है कि हत्याकांड में परिवार का ही कोई व्यक्ति शामिल है।

भंवरी देवी के पुत्र पुखराज ने एफआईआर दर्ज करवाई है। उसने बताया कि घटना के समय घर में मां-पत्नी और दोनों बेटियां ही थी। पुखराज ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। परिजन शव उठाने से इंकार कर रहे हैं और आरोपी को पकड़ने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस परिजनों को समझा रही है।

पुलिस के अनुसार नांदड़ी खुर्द निवासी मांगीलाल कुड़िया की बेटी संतोष पत्नी किशनाराम 3-4 दिनों से मायके आई हुई थी। बुधवार दोपहर संतोष, उसकी मां भंवरी देवी और संतोष की दो बेटियां भावना और लक्षिता घर पर थीं। इस दौरान किसी ने घर में घुसकर कुल्हाड़ी से सबसे पहले भंवरी देवी के सिर पर वार किया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। संतोष के भी सिर पर वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद हमलावर ने दोनों मासूम बेटियों को घर में बने पानी के टांके में डुबोकर मार दिया।

पुलिस के अनुसार मांगीलाल के 2 बेटे हैं, पुखराज और अशोक। दोनों के मकान आस-पास ही हैं। हत्याकांड पुखराज के घर में ही हुआ, लेकिन, अशोक के घर से किसी ने किसी को आते-जाते नहीं देखा। परिजनों ने अंदेशा जताया कि लूट के इरादे से किसी ने घर में घुसकर हत्या की है, लेकिन पुलिस को मौके से ऐसे कोई सबूत नहीं मिले, जिससे लूट की घटना का अंदाजा लगाया जा सके। बहरहाल समाचार लिखे जाने तक पुलिस मौके पर मामले की छानबीन में जुटी हुई थी।

राहुल गाँधी महाराष्ट्र में पुणे से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिणाम इण्डिया गठबन्धन के पक्ष में रहे हैं। इसलिए एन.सी.पी.(एस.पी.) खेमे को उम्मीद है कि पंढ़रपुर तीर्थयात्रा में राहुल की उपस्थिति से एम.वी.ए. को चुनावी फायदा होगा। एम.वी.ए. के नवनिर्वाचित सांसदों का एक प्रतिनिधिमण्डल शरद पवार के साथ मंगलवार को राहुल गांधी से मिला था और उन्होंने राहुल गांधी को तीर्थयात्रा में शामिल होने का आमंत्रण दिया था। कांग्रेस सांसद प्रनीति शिंदे और एन.सी.पी. (एस.पी.) सांसद धैर्यशील मोहिते-पाटिल भी प्रतिनिधिमण्डल में शामिल थे। तीर्थयात्रा के दौरान राहुल का कार्यक्रम संत ध्यानेश्वर महाराज और संत तुकाराम पाल्खी से आशीर्वाद लेने का है।

लोकसभा चुनावों के विपरीत, इण्डिया गठबन्धन की सहयोगी पार्टियों को इस बार कुछ जटिल मुद्दे हल करने हैं। उदाहरण के लिए कांग्रेस और एन.सी.पी. दोनों ही यू.बी.टी. शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत के इस सुझाव पर सहमत नहीं हैं कि उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में प्रोजेक्ट किया जाए। पवार ने हाल ही कहा था कि "हम किसी नेता विशेष को प्रोजेक्ट किए बिना एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे।"

प्रश्न कुछ अन्य छोटी पार्टियों को समायोजित करने का भी है जैसे कि समाजवादी पार्टी, कृषक एवं मजदूर पार्टी, पूर्व नेता राजू शेट्टी के नेतृत्व वाले स्वाभिमानी क्षेत्रकारी संगठन तथा वाम दल प्रकाश अम्बेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी के भी एम.वी.ए . से जुड़ने की संभावना है।

बताया जाता है कि एम.वी.ए. की सहयोगी पार्टियों की इस बात पर शुरुआती सहमति है कि गठबन्धन की प्रत्येक प्रमुख पार्टियां महाराष्ट्र विधानसभा की कुल 288 सीटों में से प्रत्येक 96 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी जबकि छोटी पार्टियों के लिए बड़ी पार्टियां सीटों का क्रमशः समायोजन करेंगी। उदाहरण के लिए उम्मीद है कि कांग्रेस समाजवादी पार्टी के लिए सीटें छोड़ेंगी जबकि एन.सी.पी.(एस.पी.) कृषक एवं मजदूर पार्टी को समायोजित करेगी।

इण्डिया गठबंधन के वॉकआउट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से भी आगे बढ़ गई और दोनों में गठबंधन सा हो गया था लेकिन हाल ही में सम्पन्न चुनावों में बीजू जनता दल लोकसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाई और विधानसभा चुनावों में भी भाजपा ने नवीन पटनायक की 24 साल पुरानी सरकार का अंत कर सत्ता हथिया ली।

जिन मुद्दों और कानूनों पर भाजपा सरकार को बीजू जनता दल का समर्थन मिला उनके प्रमुख है जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने तथा उसे दो केन्द्र शासित प्रदेशों में बाँटने की केन्द्र की मुहिम, आंतक-विरोधी कानून यू.ए.पी.ए. तथा जिसन राजधानी के अफसरों का पूरा नियंत्रण दिल्ली के उपराज्यपाल के हाथों में दे दिया।

उस पूरी अवधि में, बी.जे.डी. का मानना रहा था कि वह भाजपा एवं कांग्रेस स बराबर दूरी बनाये रखेगी तथा केन्द्र का मुद्दों आधारित समर्थन देगी।

लेकिन, भाजपा के हाथों पार्टी की जबरदस्त पराजय के कुछ सप्ताह बाद, पटनायक ने बी.जे.डी. के 9 राज्यसभा सांसदों से कहा है कि उन्हें "मुखर एवं मजबूत" विपक्ष के रूप में सामने आना है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, राज्यसभा के बी.जे.डी. नेता सस्मित पात्रा ने कहा कि अगर केन्द्र ओडिशा के हितों की उपेक्षा करेगा तो पार्टी सांसद विरोध करने के लिये कटिबद्ध है। उन्होंने कहा, "इस बार बी.जे.डी. सांसद केवल मुद्दों पर बोलने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि अगर केन्द्र की भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ओडिशा के हितों की अनदेखी करेगी तो वे (बी.जे.डी. सांसद सरकार का विरोध करने के लिए संकल्पित हैं।" उन्होंने कहा कि पटनायक ने बी.जे.डी. सांसदों को स्पष्ट निर्देश दे दिये हैं कि उन्हें संसद में राज्य की जनता के हितों के लिए लड़ना है।

पात्रा ने मीडिया को बताया, "अब भाजपा को समर्थन नहीं, केवल विरोध। बी.जे.डी. अध्यक्ष ने हमसे कह दिया है कि अगर एन.डी.ए. सरकार ओडिशा की वाजिब माँगों की उपेक्षा करना जारी रखती है तो हमें मुखर एवं मजबूत विपक्ष के रूप में काम करना है।"

धनखड़ ने वॉकआउट की निन्दा की तथा कहा कि यह संविधान का अपमान है।

मोदी ने भी वॉकआउट की निन्दा की तथा कहा कि वे अंक बढ़ाने की कोशिश नहीं कर रहे, बल्कि सरकार के काम-काज एवं उपलब्धियों का हिसाब देना उनका कर्तव्य है।

संसद की संयुक्त बैठक को किये गये राष्ट्रपति के संबोधन पर सदन द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव अंगीकार कर लिये जाने के बाद, राज्यसभा अनिश्चितकाल तक के लिये स्थगित कर दी गई।

प्रधानमंत्री द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब दिये जाने तथा सदन द्वारा उसे अंगीकृत कर लिये जाने के बाद, 27 जून को शुरु हुये राज्यसभा के 264वें सत्र का समापन हो गया। लोकसभा मंगलवार को ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी।

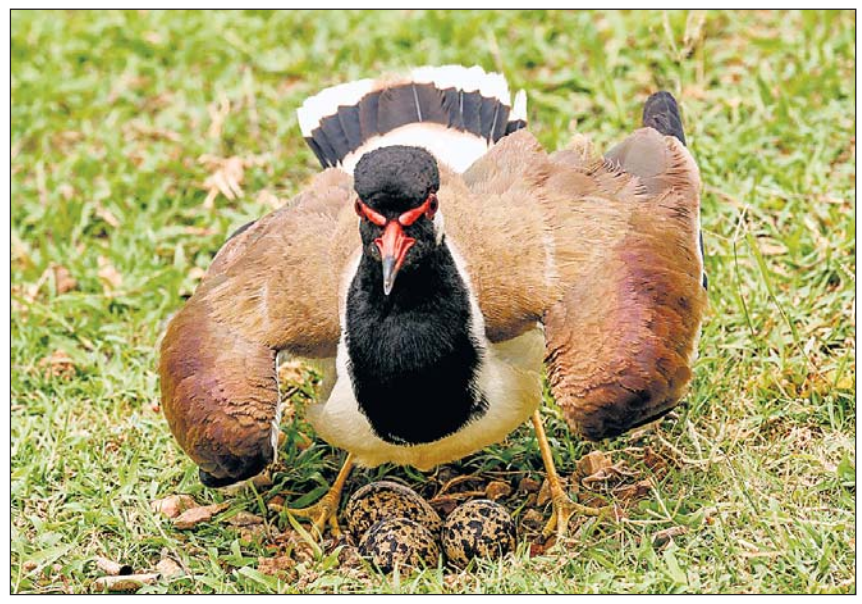

विधानसभा परिसर में ही टिटहरी ने तीन अण्डे दिए है। लोकमान्यताओं के अनुसार यह शुभ संकेत है। ऐसा माना जाता है यदि टिटहरी एक अंडा दे तो सूखा पड़ता है, दो अंडे दे तो ठीक ठाक बारिश होती है, तीन अंडे दे तो ये अच्छी बारिश का संकेत है।

राज्यसभा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किये। मोदी ने इसका प्रतिकार करते हुये, राहुल को निशाना बनाया, उनका मजाक उड़ाया तथा अपने ढ़ाई घंटे के भाषण में डेढ़ घंटे तक कांग्रेस पार्टी पर जवाहर लाल नेहरू से लेकर इन्दिरा गांधी तथा राहुल गांधी पर बोलते रहे।

मोदी पर कांग्रेस का भूत आखिर इतना क्यों छाया हुआ है? देश में हर तरफ यह सवाल पूछा जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि लोकसभा ईको सिस्टम ने राहुल की तथा लोकसभा में उस समय विरोध कर रहे अन्य नेताओं की फुटेज प्राप्त कर ली है, जब मोदी बोल रहे थे।

यह फुटेज, जो संसद टी.वी. पर नहीं दिखाई गई थी, गोदी मीडिया के प्रमुख लोगों को उपलब्ध करा दी गई है।

राहुल गांधी आगे की सीट पर बैठे हुए, अपने सांसदों को विरोध करने के लिये कह रहे थे। इसमें गुप्त रखने जैसी कोई बात नहीं थी। अगर संसद टी.वी. ने केवल मोदी पर फोकस करने के बजाय, राहुल तथा अन्य विपक्षी नेताओं की फुटेज दिखा दी होती तो इस फुटेज को लीक किये जाने की कोई जरूरत ही नहीं होती। इसका उद्देश्य केवल दबाव एवं तनाव पैदा करना है तथा आगामी दिनों में स्थिति के और बदतर होने की ही सम्भावना है।

हाथरस में मची भगदड़ का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुँचा

याचिका में इस मामले की जांच रिटायर्ड जज के निर्देशन में कराने की मांग की गई है

- याचिका में तहरीर में कहा गया है कि "आयोजकों ने पिछले कार्यक्रमों में पहुंची लाखों लोगों की भीड़ की स्थिति को छिपाते हुए इस बार 80 हजार अनुयायियों के इकट्ठा होने की बात प्रशासन को बताई थी।

नई दिल्ली, 3 जुलाई। उत्तर प्रदेश के हाथरस में सत्संग के बाद मची भगदड़ में कम से कम 121 लोगों की मौत का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। देश की सबसे बड़ी अदालत में एक जनहित याचिका दायर की गई है। अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा दायर जनहित याचिका में जांच शुरू करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए सर्वे कराने और दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए समिति बनाने की मांग की गई है। उन्होंने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता में इस विशेषज्ञ समिति की नियुक्ति की जाए।

आपको बता दें कि हाथरस जिले के सिकंदराराऊ इलाके में सत्संग के दौरान हुई भगदड़ के मामले में पुलिस ने 'मुख्य सेवादार' और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंगलवार को हुई भगदड़ की इस घटना में 121 लोगों की मौत हो गई थी।

अधिकारी ने बताया कि पोरा पुलिस चौकी के प्रभारी उप निरीक्षक बृजेश पांडे की तहरीर पर मंगलवार देर रात सिकंदराराऊ थाने में मुख्य सेवादार देवप्रकाश मधुकर और अन्य सेवादारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), 110 (गैर इरादतन हत्या करने का प्रयास), 126 (2) (गलत तरीके से रोकना), 223 (लोक सेवक द्वारा जारी आदेश की अवज्ञा), 238 (साक्ष्यों को मिटाना) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

तहरीर में कहा गया, "आयोजकों ने पिछले कार्यक्रमों में पहुंची लाखों लोगों की भीड़ की स्थिति को छिपाते हुए इस बार 80 हजार अनुयायियों के इकट्ठा होने की बात प्रशासन को बताई थी।

इसके अनुसार ही सुरक्षा की व्यवस्था की थी लेकिन सत्संग में ढाई लाख से ज्यादा लोग पहुंचे थे जिससे अव्यवस्था पैदा हो गई।"

आरोप लगाया गया, "सत्संग के मुख्य प्रवचनकर्ता सूरजपाल उर्फ 'भोले बाबा' के प्रवचन के बाद वह अपनी गाड़ी में सवार होकर आयोजन स्थल से निकल रहे थे तभी अनुयायियों ने उनकी गाड़ी के मार्ग से धूल समेटना शुरू कर दिया। इस दौरान लाखों की भीड़ के दबाव के कारण कुछ लोग कुचल गए।"

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908